

LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

Monday, August 23, 2004/Bhadra 1, 1926 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(MR. SPEAKER in the Chair)

â€¦ (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, मैंने क्वेश्चन आवर सस्पैन्ड करने का नोटिस दिया है। देश में एक बड़ी विम परिस्थिति पैदा हुई है। एक राज्य की पुलिस दूसरे राज्य के मुख्य मंत्री को गिरफ्तार करने के लिए चली है। अगर यह परिस्थिति इसी प्रकार से रही â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष जी, अगर इसी तरह की परिस्थिति रहेगी तो सारे हिन्दुस्तान में सभी मुख्य मंत्रियों को दूसरे राज्यों की पुलिस गिरफ्तार करके ले जाएगी। उनका कुसूर क्या है? राष्ट्रीय झंडा फहराने पर â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed him. Let us hear him.

...(Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : राष्ट्रीय झंडा फहराने पर और तिरंगा झंडा फहराने पर वहां पर जलियांवाला बाग की तरह से उस समय की कांग्रेस सरकार ने छः आदमियों को, निहत्थों को गोलियों से भून डाला। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If there is anything unparliamentary or improper, I shall look into it.

...(Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : ..* â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : उन पर झंडा फहराने का नहीं, दंगा फैलाने का आरोप है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये। एक बार तो स्पीकर को थोड़ी इज्जत दीजिए। सब एक साथ बोलते हैं।

The whole country is watching. I am sure they are wondering why Lok Sabha has been constituted at all. What was the fun of holding elections? Crores and crores of rupees are spent in holding elections. I have always said that it is not my House, it is your House, it is the House of the People of this country.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एक मामला उठा। जो कुछ होगा, लेकिन हाउस को तो चलने दीजिए। हमने कभी मना नहीं किया। दोनों साइड हैं। Do not try to pass on the responsibility. I am appealing to everybody. I am not appealing to any particular hon. Member or party.

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : सर, हम भी बोलेंगे। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : चिल्लाने से किसी को मौका नहीं दूंगा।

I have allowed Mr. Malhotra to speak. Let him have his say within a short while. After that, if you want to respond, please wait for it to see whether I will allow you or not. You are not even allowing me to regulate the proceedings of the House. Everybody is super Speaker here! Everybody will decide how the House will run except the Speaker! This is not to be tolerated. If he finishes his submission within two or three minutes, then the Leader of the House is there. He may say something or if any other hon. Member wants to say something, I will allow him.

MD. SALIM (CALCUTTA – NORTH EAST): Mr. Speaker, Sir, I want to make a submission.

MR. SPEAKER: Mr. Salim, I will allow you to speak.

श्री रामदास बंडु आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी कहना चाहता हूँ। **â€** (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्वश्चैन आवर के बाद आपको भी मौका दूंगा।

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, 1993 में तिरंगा झंडा फहराने के लिए उमा भारती जी वहां गईं। वहां पर कर्फ्यू लगा दिया गया। **â€** (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या बात कर रहे हैं? आपको सुनना भी चाहिए। खाली यहां भाण देने के लिए नहीं आते हैं। सुनने की भी जरूरत है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। Please don't disturb.

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, वहां कर्फ्यू लगा दिया गया, सारे शहर को बन्द कर दिया गया, पुलिस बैठा दी गई और सेना को बुलाकर तैयार रहने के लिए कह दिया गया और ठीक जलियांवाला कांड की तरह से वहां गोलियों की **â€** (व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा, उमा भारती के बारे में कहें या हुबली कांड के बारे में, लेकिन जलियांवाला कांड को इससे न जोड़ें। **â€** (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बैठिए। I will call you.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will call you.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: What is this going on here?

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please make your statements in a dignified manner.

...(Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यहां की कांग्रेस के मुख्य मंत्री ने केस वापस लेने का फैसला कर लिया। श्री एस.एम. कृणा, भूपू. मुख्य मंत्री ने केस वापस लेने का फैसला कर लिया और 2 जुलाई, 2004 को यह दख्खास्त दी कि केस वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनको पता था कि तिरंगा झंडा फहराने पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है और ऐसा करने पर किसी के उमर केस नहीं चलाया जा सकता, परन्तु 15 अगस्त के बाद, ...* वह दख्खास्त वापस ले ली गई। **â€** (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will look into it.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Then I shall expunge everything.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Expunge everything from the proceedings.

The House stands adjourned till 2 o'clock.

1106 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

*Expunged as ordered by the Chair.

14.00 hrs.

Title: Regarding issuance of arrest warrant against the Chief Minister of Madhya Pradesh.

(The Lok Sabha reassembled at fourteen of the clock)

(Mr. Speaker in the Chair)

MR. SPEAKER: Now, the Leader of the Opposition will speak.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आपसे हाथ जोड़ कर विनती करते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let us behave in a sensible manner.

...(Interruptions)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, साधारणतया इस समय मैं कोई अन्य बात नहीं कहता, लेकिन आज जो कुछ हुआ है, वह असाधारण है। हिन्दुस्तान के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि एक प्रदेश की पुलिस दूसरे प्रदेश में, वहां के मुख्य मंत्री को गिरफ्तार करने के लिए जाए। मैं समझता हूँ कि मध्य प्रदेश की लोकप्रिय मुख्य मंत्री ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जैसे ही उन्हें सूचना मिली कि इस प्रकार से मुझे गिरफ्तार करने के लिए कोई पुलिस आ रही है तो उन्होंने तुरंत एनाउंस किया कि मैं उससे पहले अपना त्याग-पत्र राज्यपाल को दे दूंगी और इस समय वह राज्यपाल की प्रतीक्षा कर रही हूँ।â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : राज्यपाल वहां पहुंच गए हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अगर पहुंच गए हैं तो वह त्याग पत्र देने वाली होंगी।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Leader of the Opposition is speaking.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Let there be some mutual accommodation.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: They should hear your Leader also. Both sides should hear each other.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आडवाणी जी के बोलने के बाद आपको मौका देंगे। अभी आप बैठ जाइए। आडवाणी जी को बोलने दीजिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष महोदय, एक प्रदेश की पुलिस का आचरण जितना गलत है, उतना ही सही उदाहरण मध्य प्रदेश की मुख्य मंत्री ने प्रस्तुत किया है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He will conclude very soon.

...(Interruptions)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सत्ता पक्ष से निवेदन करना चाहूंगा। कल जब उन्होंने कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूँ तब यह कहा गया कि यह नाटक है, वह तो केवल अपने अध्यक्ष को भेज दिया है, क्योंकि वह उम्मीद कर रही हैं कि कोर्ट उनके पक्ष में फैसला देगा और कुछ करना नहीं पड़ेगा। उन्होंने न केवल अपना इस्तीफा दिया है, साथ-साथ उन्होंने अपने नये नेता के चुनाव की भी व्यवस्था की है, जो इस समय वहां हो रहा होगा।

मेरा निवेदन है कि इसमें दो इश्यु उठते हैं कि अब तक दागी मंत्रियों के बारे में यहां जो सवाल उठाया था, उसके बारे में कहा कि इस प्रकार का उदाहरण नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have not given you a chance. Please sit down.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I will allow you to speak. Please sit down.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : अभी आप सब बैठ जाइए। हम आडवाणी जी के बोलने के बाद आपको मौका देंगे।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपके लीडर बोल रहे हैं, हम उनका आदर करते हैं, इसलिए हमने उन्हें पहले मौका दिया है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let there be a little accommodation.

...(Interruptions)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष महोदय, उमा भारती पर जो आरोप हैं, वह तो गर्व की बात है।â€¦ (व्यवधान) तिरंगा झंडा लहराने के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही की गई।â€¦ (व्यवधान) तिरंगा झंडा लहराने के अपराध में उनके ऊपर दुनिया भर के आरोप लगाए गए।â€¦ (व्यवधान) उनके ऊपर कोई ऐसा आरोप नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस घटना के घटने के बाद, जिनके खिलाफ भी नान-बेलेबल वारंट है, एक मंत्री हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Advani, you have made your point.

...(Interruptions)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष महोदय, दागी मंत्रियों को सरकार से तुरंत हटा देना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You ignore them.

...(Interruptions)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : इन्हें कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि ये सदन में बैठें।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये न। यह क्या बात हुई।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Harin Pathak, I request you to sit down.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: The Leader of the Opposition wanted to make a statement. I have allowed him to speak.

...(Interruptions)

श्री अनंत गुढे (अमरावती) : लेकिन वे बोल रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपके लीडर को हमने बुलाया तो रूलिंग पार्टी के लोगों की बात भी सुनिये।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये न।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You do your job. It is my job to do that. You do not interfere. What more can I do? I called the Leader of the Opposition to speak as soon as the House re-assembled. After he finishes his statement, if any other Member wishes to say something, you hear him.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : हमने बोला है। हम सब के लिए बोल रहे हैं।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I hope, you will think that I belong to all sections of the House. I have given you proper respect.

After Shri Advani completes his statement, please also listen to what anybody else has to say. This is my earnest appeal to you all. You speak and also listen to others.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Advani ji, have you completed?

...(Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : इनके बयान के बाद आप इनसे इस्तीफा देने के लिए कहिये। जब तक दागी मंत्री इस्तीफा न दें, तब तक हाउस कैसे चल सकता है। उमा भारती के इस्तीफे के बाद दागी मंत्रियों को इस्तीफा देना चाहिए। (व्यवधान)

14.08 hrs.

(At this stage Shrimati Kiran Maheshwari and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table)

MR. SPEAKER: Now, Shri Raghunath Jha. What Shri Raghunath Jha says will only go on record.

(Interruptions) *

श्री रघुनाथ झा : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभारी हूँ कि आपने मुझे यहां बोलने का मौका दिया। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जल्दी-जल्दी करिये।

* Not Recorded.

श्री रघुनाथ झा : माननीय नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि यह एक अनहोनी घटना है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए कर्नाटक सरकार की पुलिस चली गई, (व्यवधान) लेकिन जिस

समय शिबू सोरेन केन्द्र सरकार के मंत्री थे तो उनको गिरफ्तार करने के लिए जब झारखण्ड की पुलिस आई तो नेता प्रतिपक्ष बहुत खुश हो रहे थे और उस समय यह मांग कर रहे थे। (व्यवधान) मैं दो-तीन मिनट में अपनी बात खत्म करूंगा। बाकी रहा दागी मंत्रियों का मामला तो यह सदन दागी मंत्रियों के मुद्दे पर सात दिन तक नहीं चला, जब बाबरी मस्जिद के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष दागी थे, सुश्री उमा भारती दागी थीं, (व्यवधान) श्री मुरली मनोहर जोशी दागी थे, ये सारे तब लोक सभा के मੈम्बर थे। तब के प्रधानमंत्री ने प्रणव दों की बगल से खड़े होकर कहा कि हम इसे नहीं मानते, जब तक कोर्ट से सजा न हो जाये। (व्यवधान) दूसरी बात है कि यदि दागी मंत्रियों का मामला है तो उसमें फर्क है। उमा भारती पर दंगा फैलाने का चार्ज था। (व्यवधान) यह नहीं चलेगा। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Basu Deb Acharia. Only Shri Basu Deb Acharia's statement will go on record.

(Interruptions) *

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, the Leader of the Opposition has not referred to what Jharkhand Police did in the case of Shri Shibu Soren, who was a Central Minister at that time. What Kumari Uma Bharati did was that she violated the law of the land and the Court's Order. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You have made your point.

SHRI BASU DEB ACHARIA : She not only violated the law of the land but she deliberately went there to incite communal violence। (Interruptions) झंडा फहराने के लिए नहीं गई थीं, दंगा फैलाने के लिए गई थीं। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Mr. Pawan Kumar Bansal, you wanted to speak.

श्री पवन कुमार बंसल (चण्डीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, तिरंगा झंडा हमारी राष्ट्रीयता का एक पवित्र प्रतीक है। (व्यवधान) लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उस झंडे की आड़ में लोग गैरकानूनी काम करें। (व्यवधान) कानून के तहत कोई भी आदमी बेशक वह मंत्री या मुख्यमंत्री ही क्यों न हो, अगर कहीं ऐसा काम करता है जिससे दंगा हो, तो पुलिस को उसके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। (व्यवधान) अगर कोई एक प्रांत का मुख्यमंत्री दूसरे प्रांत में ऐसा करे तो उसका मतलब यह नहीं कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई न करे। (व्यवधान) ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि एक प्रांत की पुलिस दूसरे प्रांत में गयी हो। हाल ही में झारखंड की पुलिस केन्द्रीय मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लेकर दिल्ली पहुंच गयी थी जबकि उसके खिलाफ केस को वापिस लेने का मसला कचहरी में चल रहा था। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the speeches of those whom I call should be recorded.

(Interruptions) *

श्री पवन कुमार बंसल : मुझे इस बात पर ताज्जुब है कि श्री आडवाणी जैसे वरिष्ठ सदस्य भी दो तरह की बातों को मिलाकर एक भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, अभी प्रतिपक्ष के नेता ने सदन में साफ-साफ कहा कि सुश्री उमा भारती पर जो आरोप लगे हैं, वे गौरव के विषय हैं। सुश्री उमा भारती पर दंगा फैलाने का आरोप है, साम्प्रदायिकता फैलाने का आरोप है, हत्या का सिलसिला बढ़ाने का आरोप है। **â€**(व्यवधान) क्या यह गौरव की बात है ? **â€**(व्यवधान) संसदीय इतिहास में यह अजीब स्थिति पैदा हो गयी है। **â€**(व्यवधान) यह असाधारण स्थिति जरूर है। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have made your point.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, क्या झारखंड की पुलिस केन्द्रीय मंत्री श्री शिवू सोरेन जी के मामले में दिल्ली प्रदेश नहीं गयी थी ? **â€**(व्यवधान) क्या यह असाधारण स्थिति नहीं थी? **â€**(व्यवधान) यह दोहरा मापदंड चल रहा है। **â€**(व्यवधान) विपक्ष के नेता दोहरे मापदंड की बात कर रहे हैं। **â€**(व्यवधान) किसी का भी ईदगाह में जाकर इस तरह से तिरंगा झंडा फहराना क्या यह राष्ट्रीय ध्वज का अपमान नहीं है ? **â€**(व्यवधान) यह सब आचरण देश के संविधान के विरुद्ध है। जहां तक दागी मंत्रियों का सवाल है, एनडीए में पहले भी दागी मंत्रियों की भरमार रही है। **â€**(व्यवधान) डॉ. मुरली मनोहर जोशी, सुश्री उमा भारती और आडवाणी जी पर भी आरोप थे। **â€**(व्यवधान)

विाम परिस्थिति यह है कि सुश्री उमा भारती ने नौ सालों से अदालत का सम्मान नहीं किया। उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट है। उनको अदालत का सम्मान करना चाहिए। उनको न्याय प्रक्रिया में जाना चाहिए। उन्हें अपना इस्तीफा राज्यपाल को देना चाहिए न कि श्री वैकेया नायडू को देना चाहिए। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is sufficient. Please take your seat.

...(Interruptions)

*Not Recorded